वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 202 | सोमवार 20 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में कई जगहों पर मनाया गया छठ महापर्व

डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ की सुख समृद्धि की कामना

जयपुर. शाबाश इंडिया

सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। जयपुर के प्रतापनगर,मालवीय नगर, जवाहर नगर समेत 51 जगहों पर पूजा की गई। छठ पर्व के दौरान कई जगहों पर समाज के लोगों ने जलाशय बनाकर पूजा की। महिला और पुरुष ने पानी में खड़े होकर भगवान सूर्य देव की आराधना के साथ छठ के लोकगीत गाए। युवाओं ने इस दौरान जमकर आतिशबाजी की। ढ़ोल नगाड़ो के साथ माथे पर फल प्रसाद का टोकरा लेकर परिवार संग समाज के लोग घाट पर पहुंचे। एनबीसी के पीछे दुर्गा विस्तार कॉलोनी में भी डाला छठ महापर्व आयोजित किया गया। जिसमें कई प्रकार की झांकियां सजाई गई। बिहार समाज संगठन के महासचिव सुरेश पंडित ने बताया कि रात्रि में कोसी भरने की परंपरा है जिसमें मिट्टी के हाथी कलश उस पर ढक्कन रखे। पंचमुखी दीपक जलाकर पांच गन्ने को एक साथ बांध कर लगाए गए। महिलाएं इस दौरान छठ माता का गुणगान करती हैं। परंपरा के मुताबिक, शाम के समय सूर्य को अर्घ्य देकर लोग अपने-अपने घर में या छत पर कोसी भरने की परंपरा निभाते हैं। इसमें मिट्टी के हाथी को सिंदूर लगाया जाता है। उसके ऊपर दीपक जलाकर रखे जाते है। फिर कलश में मौसमी फल और ठेकुआ और अदरक आदि के साथ सारी सामग्री रखी जाती है। इसके बाद कोसी के चारों तरफ सूर्य को अर्घ्य देने वाली सामग्री से भरी सूप, डलिया और मिट्टी के ढक्कन में तांबे के पात्र को रखकर फिर दीपक जलाते हैं। प्रतापनगर में आयोजित छठ पूजा में मैथिली महिला मंच की अध्यक्ष बबिता झा ने बताया - छठ के घाट पर लोकगीतों को गाया गया। साथ में समाज के लोगों ने परिवार के संग ग्राउंड पर एक साथ पहुंचकर सूर्य भगवान की पूजा की। छठ पूजा का प्रसाद सुबह के अर्घ्य के बाद सभी को दिया जाता है। इसमें ठेकुआ केला संतरा गागर नींबू नाशपाती मूली अदरक कच्ची हल्दी पान फूल नारियल अक्षत सिंदूर आदि रख कर पहले छठी मइया को अर्घ्य अर्पित किया गया। सोमवार को सुबह उगते हुए सूर्य देव को दूसरा अर्घ्य अर्पित कर इस महापर्व को संपन्न करेंगे।

इन जगहों पर किया गया छठ पर्व

सेक्टर 16 प्रताप नगर, सांगानेर के प्रतापेश्वर महादेव मंदिर परिसर, ब्रह्मपुरी के पौंडरीक उद्यान वरुण पथ मानसरोवर के मंगलेश्वर महादेव मंदिर एनबीसी के पीछे दुर्गा विस्तार कॉलोनी, गलता जी तीर्थ, शास्त्री नगर स्थित किशन बाग, किरण पथ स्थित हनुमान वाटिका पार्क में, मालवीय नगर, सोडाला सुशिलपुरा, वैशाली नगर, नेहरू नगर, मालिक की कोठी रिंग रोड हीरा, हीरापुरा पावर हाउस, कलवाड रोड, रॉयल सिटी माचवा, चरण नदी फास्ट एवं सेकंड, लोहा मंडी रोड, चौराहे निवारू रोड, गणेश वाटिका गोविंदपुरा इत्यादि।

विधाधर नगर में 2 दर्जन से ज्यादा कांग्रेसी भाजपा में शामिल

जयपुर. कासं

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी के समर्थन में दो दर्जन से ज्यादा कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में कांग्रेस ब्लॉक मंडल उपाध्यक्ष व हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति सचिव सुशील शर्मा, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के अध्यक्ष गोपाल सिंह, हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति के कोषाध्यक्ष दीनदयाल शर्मा, कांग्रेस कार्यकर्ता और संगठन मंत्री अनिल पारीक, मीडिया प्रभारी पुनीत पारीक, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता दीपक सैनी, कांग्रेस कार्यकर्ता कृष्ण कुमार उदेणिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता बबलू शर्मा, दूरसंचार विभाग के रिटायर्ड अकांउट आफिसर गंगाराम सैनी, रिटायर्ड पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश यादव, राजस्थान पुलिस के

रिटायर्ड हवलदार गोपाल सिंह महरोली, राजस्थान पुलिस से रिटायर जमनालाल,पवन सूंठवाल, सुरेश कुमार चौधरी, शंकर लाल जांगिड़, गोपाल जांगिड़, विक्रम चौधरी, राम अवतार मिश्रा, दशरथ शर्मा, मधुसूदन शर्मा, गुलाब बागड़ा, मुकेश सैनी, सीताराम शर्मा, अमर सिंह , रिटायर रेलवे चीफ बालूराम, अखिलेश मिश्रा, मदन सिंह राजावत, कमल कुमार शर्मा, करणी कॉलोनी के रमेश मालपानी, महेश कुमार शर्मा सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल हुए। दीया कुमारी ने नवागंतुक सदस्यों का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। वार्ड 4 में हरमाड़ा क्षेत्रीय महाविकास समिति द्वारा आयोजित जनसभा के दौरान भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस ने पिछले पांच सालों में विकास की गति को पूरी तरह से रोक दिया है। इलाके में रोड, सीवर, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं से जनता को जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने सवाई माधोपुर में चंबल का पानी लाने से लेकर राजसमंद में मावली-मारवाड़ रेल लाईन के आमान परिवर्तन जैसे काम किये है। इस दौरान दीया कुमारी ने विपक्ष की नियत पर सवाल उठाते हुए कहा कि पानी की पाइपलाइन को विद्याधर में उपलब्ध क्यों नहीं कराया गया।

उपाध्याय 108 ऊर्जयन्त सागर जी महाराज का भव्य पिच्छीका परिवर्तन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य उपाध्याय 108 ऊर्जयन्त सागर जी महाराज का पिच्छी का परिवर्तन समारोह रविवार 19 नवंबर 2023 को श्री संकट हरण पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागीवाला आमेर में आयोजित हुआ। वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज साहब के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्यय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी महाराज एवं श्रुल्लक श्री 105 उपहार सागर जी महाराज का आज पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम के प्रारंभ में मंदिर के शिखर पर ध्वज स्थापना की गई। फागीवाला परिवार ने इसका सौभाग्य प्राप्त किया ।द्वितीय सत्र में अनेक पधारे हुए विद्वानों का गुरुदेव के अन्यय भक्तों का स्वागत सम्मान करते हुए मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने पूज्य उपाध्याय श्री के चातुर्मास की उपलब्धियां को समाज के समक्ष रखा। उन्होंने इस वर्ष उपाध्याय श्री के चातुर्मास की यह विशेषता रही कि उनके संयम जीवन में प्रथम जनेश्वरी दीक्षा क्षुल्लक श्री उपहार सागर जी महाराज को देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सभी पूर्व आचार्य को अर्घ्य चढ़ाकर उनकी पूजा अर्चना की गई ।तथा अतिथियों का सम्मान किया गया। वर्षा योग में जिन महानुभावों का सहयोग रहा उन सभी कार्यकताओं का प्रशस्ति देकर सम्मान किया गया। पूज्य गुरुदेव ने अपने मंगल उद्बोधन में यह बताया की साधु की संगत नहीं कर सकते हो कोई बात नहीं साधु की वैय्यावर्ती नहीं कर सकते हो कोई बात नहीं लेकिन अपने जीवन में कभी भी साधु परमेश्वटी की निंदा नहीं करना। ऐसा गुरुदेव ने अपने मंगल प्रवचन में बताया और नवीन पिच्छिका लेने का महत्व भी गुरुदेव ने समझाया। गुरुदेव का आमेर के फागीवाला मंदिर से 27 नवंबर दोपहर 2:00 बजे मंगल विहार कर अचरोल स्थित देश भूषण आश्रम में स्थित इच्छा धारी भगवान पारसनाथ का जिन मंदिर है वहां गुरुदेव उस मंदिर के वार्षिकोत्सव 3 दिसंबर को कार्यक्रम में अपना सानिध्य प्रदान करेंगे। इस अवसर पर अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एवं चातुर्मास व्यवस्था समिति के गौरवाध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल का स्वागत अभिनंदन किया गया। मुख्य समन्वयक मनीष बैद ने भी अपने विचार रखे।चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री दौलत फागीवाला ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह 20 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि आगामी 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव में व्यापारी वर्ग शत प्रतिशत मतदान करें एवं मतदान दिवस को लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाये इस हेतु दिनांक 20 नवंबर सोमवार को जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं मतदान हेतु जागरूकता अभियान पर चर्चा के लिए गोकुल निवास गार्डन जय क्लब के पास एम आई रोड पर सायंकाल 6 बजे दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित कर रहा है समारोह में जयपुर के सभी व्यापार मंडल व जयपुर के सभी व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है समारोह को राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड भारत सरकार के चेयरमैन श्री सुनील संघी विशेष रूप से संबोधित करेंगे सुनील संघी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली से जयपुर आये हैं। व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता, कैलाश मित्तल, प्रकाश सिंह,नीरज लुहाडिया, मनीष खूटेटा,भूपतराय कांटेवाला,मिंतर सिंह राजावत, सुरेश कुमार लश्करी, मंत्री विक्की चैलानी,अतुल गांधी कोषाध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल मुख्य सलाहकार राजेन्द्र कुमार गुप्ता, हुक्म चंद्र अग्रवाल के साथ पूरी टीम जयपुर में व्यापारी वर्ग का 25 नवम्बर को शत प्रतिशत मतदान हो इस हेतु विशेष प्रयास कर रही है।

जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व आज

आठ दिनों तक दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विशेष पूजा विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म का आठ दिवसीय शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व सोमवार,20 नवम्बर से शुरू होगा।इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रतिदिन विशेष पूजा अर्चना, मण्डल विधान, सायकांल महाआरती, भक्ति संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार जैन धर्म के इस दूसरे बडे पर्व अष्टानिका महापर्व के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में आठ दिनों तक श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान पूजा एवं विश्व शांति महायज्ञ, श्री नन्दीश्वर महामण्ड़ल विधान पूजा,कल्पद्रुम महामण्डल विधान पूजा सहित सायकांल सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे। **आठ दिनों तक धर्म की गंगा बहेगी:** जैन के मुताबिक सोमवार को ध्वजारोहण से अष्टानिका महापर्व का शुभारंभ होगा। सोमवार, 27 नवम्बर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन होगा।इस दौरान शुक्रवार 24 नवम्बर को अठारहवें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का ज्ञान कल्याणक तथा सोमवार 27नवम्बर को तीसरें तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। जैन के मुताबिक एस एफ एस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ तथा जेएलएन मार्ग पर लाल बहादुर शास्त्री नगर में आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में अष्टानिका महापर्व मनाया जाएगा। वर्ष में तीन बार कार्तिक, फाल्गुन एवं आषाढ माह में मनाये जाने वाले इस पर्व की शुरूआत महासती मैना सुन्दरी द्वारा अपने पति श्रीपाल के कुष्ठ रोग निवारण के लिए की गई आठ दिनों तक सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान एवं तीर्थंकरों के अभिषेक जल(गन्धोदक) के छींटों से रोग समाप्त होने के कारण पिछले कई वर्षों पूर्व हुई। इसका जैन ग्रन्थों में काफी उल्लेख है।

णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर की ओर से आयोजित णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान समारोह श्री आदिनाथ भवन श्री दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग मानसरोवर, जयपुर में रविवार दिनांक 19.11.2023 को प्रातः आयोजित किया गया। प्रचार मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि सम्मान समारोह में 266 णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान किया गया।सवा लाख मंत्र लिखने वाले 32 लेखकों का हीरक पदक से, इक्यावन हजार मंत्र लिखने वाले 84 लेखकों का स्वर्ण पदक एवं पच्चीस हजार मंत्र लिखने वाले 150 लेखकों का रजत पदक से सम्मान किया गया।सम्मान समारोह में दीप प्रज्वलन, हीरक पदक प्राप्त कर्ता व समिति के सदस्यों के साथ प्रमुख वक्ता डॉ शीतल चन्द जी जैन ने किया।समारोह का शुभारंभ संतोष देवी चांदवाड़ के मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात डॉ शीतल चन्द जी जैन मंदिर अध्यक्ष सुशील कुमार पहाड़िया के साथ अतिथियों व णमोकार महामंत्र जाप्य लेखकों का सम्मान किया गया। प्रमुख वक्ता डॉक्टर शीतल चन्द जैन ने णमोकार महामंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया की णमोकार महामंत्र भाव शुद्ध करता है, पापों का गलन करता है।यह अनादि निधन मंत्र है। मन वचन काय से आप लेखन कार्य करते हैं, यह आपका मंगल करता है।इस पावन अवसर पर आप सभी को कोई भी एक नियम अवश्य लेना चाहिए जो कल्याण कारी होगा। समिति के अध्यक्ष रतन लाल जैन कोठारी ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए सभी लेखकों को आगे भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा की। जाप्य पुस्तिकाएं

छपवाने वाले वी सी जैन महावीर नगर व प्रेम चन्द जैन का भी सम्मान किया गया। मंत्री बाबूलाल जैन ने मीरा मार्ग मानसरोवर के श्री आदिनाथ दिगम्बर मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन पहाड़िया मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी व समस्त कार्य कारिणी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए आपका सहयोग सराहनीय है। पुरुस्कार वितरण कर्ता श्रीमती बीना जैन अजमेर का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया।सभी णमोकार महामंत्र जाप लेखकों का भी आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार लेखन कार्य करने की अपेक्षा की।कार्यक्रम में समिति के संरक्षक टीकम चन्द अजमेरा, उपाध्यक्ष हरचंद बड़जात्या, हरक चन्द छाबड़ा कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पापड़ीवाल, प्रचार मंत्री राजेन्द्र काला सह सचिव महावीर कुमार चांदवाड़ एवं सदस्यों में कमल चन्द गोदीका, राजेन्द्र कुमार पांड्या, सुनील कुमार बज, धन कुमार लुहाड़िया, प्रमोद कुमार छाबड़ा आदि उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

नियम पालन

पूरा ब्रह्मांड नियम से बंधा हुआ है और नियम के बिना सब कुछ स्थिर है। प्रकृति की तरह मनुष्य को भी व्यवस्थित जीवन जीने के लिए नियमों का पालन करना होता है। जो मनुष्य नियमबद्ध तरीके से जीवन जीता है, उसका जीवन आनंदमयी रहता है, जबकि इसके विपरीत नियमरहित जीवन जीने वाले मनुष्य को एक समय के बाद अपना जीवन भार लगने लगता है। प्रकृति भी जब अपने नियम से हटती है, तब विकराल घटनाएं घटती हैं और विध्वंस होता है। ऐसे में प्रकृति और जीवन दोनों में नियमबद्धता आवश्यक है। किसी भी तरह का सृजन नियम के बिना नहीं हो सकता और यह सब सहजता से होता है। जिस तरह बीज एक दिन में ही पेड़ नहीं बनता, उसी तरह मनुष्य के प्रत्येक कार्य में भी सहजता होनी चाहिए। मनुष्य को कठिनाई महसूस करने के बजाय सतत रूप से प्रयासरत रहना चाहिए। उसे अपनी सभी इच्छाओं और अभिलाषाओं को त्यागकर कर्म करना चाहिए और अपने मन में यह विश्वास कायम करना चाहिए कि यदि किसी कारणवश वह उचित फल प्राप्त करने में असफल होता है तो वह निराश-हताश नहीं होगा, बल्कि पुनः प्रयासरत रहेगा। हो सकता है कि प्रकृति ने उसके लिए इससे भी अच्छा सोच रखा हो। दरअसल मनुष्य को भौतिक वस्तुओं को प्राप्त करने का मोह त्याग देना चाहिए। हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं है कि वह अपने उद्देश्यों को ही छोड़ दे। उसे केवल परिणाम के प्रति मोह को त्याग करना चाहिए। मनुष्य जैसे ही परिणाम के प्रति मोह छोड़ देता है, वैसे ही वह अपने उद्देश्य को अनासक्ति से जोड़ लेता है। तब वह जो कुछ भी चाहता है, वह उसे स्वतः मिल जाता है। मनुष्य के जीवन में लक्ष्य जरूर होना चाहिए। इससे मनुष्य को जीवन का उद्देश्य पता चलता है और इससे उसके जीवन में स्थिरता आती है। इसके विपरीत लक्ष्यविहीन मनुष्य पशुवत जीवन जीता है। मनुष्य का लक्ष्य क्या हो, इस संबंध में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि मुक्ति को प्राप्त करना ही हमारा चरम लक्ष्य होना चाहिए। प्रकृति की तरह मनुष्य को भी विनिमय के नियम को अपनाना चाहिए यानी देने और लेने का नियम।

संपादकीय

अब दुनिया अमीर और गरीब के खानों में बंटी हुई है...

दुनिया अमीर और गरीब के खानों में बंटी हुई है। अमीर देशों का गरीब देशों पर किसी न किसी रूप में या तो दबदबा बना रहता है या फिर वे उन्हें अलग-थलग किए रहते हैं। ऐसे में महाशक्तियों के रूप में चिह्नित देशों को चुनौती देने की कोशिशें होती रहती हैं। वैश्विक दक्षिण देशों की एकजुटता उसी की एक कड़ी है। इन देशों के दूसरे सम्मेलन से एक बार फिर यह उम्मीद जगी है कि वे अमीर कहे जाने वाले देशों के समांतर अपनी एक ताकतवर व्यवस्था कायम कर सकते हैं। जी- 20 सम्मेलन के बाद भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज नामक इस सम्मेलन की अगुआई की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने फिर से वैश्विक दक्षिण के देशों को एकजुट होकर नई वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की अपील की। पश्चिम एशिया में जिस तरह की उथल-पुथल चल रही है, उसमें वैश्विक दक्षिण के देशों की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। वैश्विक दक्षिण के समूह में वे देश शामिल हैं, जो शीतयुद्ध के बाद

अलग-थलग पड़ गए थे। वे औद्योगिक क्रांति से दूर रह गए थे और प्रायः पूंजीवादी तथा साम्यवादी देशों से उनका संघर्ष बना हुआ था। इसमें ज्यादातर एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देश हैं। वैश्विक उत्तर में वे देश हैं, जिन्होंने औद्योगिक क्रांति के जरिए काफी तरक्की कर ली और अब वे दुनिया के बाजारों में अपनी पैठ बनाए हुए हैं। उनमें अमेरिका, यूरोप, कनाडा, रूस, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देश हैं। आबादी के लिहाज से वैश्विक दक्षिण के देश बड़ी श्रमशक्ति और उपभोक्ता बाजार हैं। अगर वे एकजुट होकर संपन्न देशों पर से अपनी निर्भरता खत्म कर लेते हैं, तो विश्व अर्थव्यवस्था की सूरत काफी कुछ बदल सकती है। ऐसे में भारत इन देशों को एकजुट करके न केवल अपने लिए एक बड़े बाजार का निर्माण करना चाहता है, बल्कि चीन को चुनौती भी देने की कोशिश कर रहा है। वैश्विक दक्षिण के देश विकासशील और अविकसित की श्रेणी में गिने जाते हैं। उनमें आर्थिक असमानता बहुत है। इसका लाभ उठा कर चीन इन देशों में अवसंरचना के विकास के जरिए अपनी पैठ बनाने की कोशिश में लगा हुआ है। ''बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव'' परियोजना उसने इसी महत्त्वाकांक्षा से शुरू की थी। भारत अभी विकसित देशों की श्रेणी में तो नहीं गिना जाता, मगर वह विकासशील की श्रेणी में भी नहीं रहा । वह तेजी के बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और उसकी चीन से प्रतियोगिता रहती है। इस तरह भारत वैश्विक दक्षिण देशों की एकजुटता के जरिए अपने पड़ोस में बढ़ती चीन की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में कामयाब हो सकता है। इस बार के जी-20 सम्मेलन में भी अध्यक्ष के रूप में भारत ने वैश्विक दक्षिण पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया था। भारत की पहल पर ही अफ्रीकी समूह को भी जी-20 का सदस्य बनाया गया था। इस तरह भारत की पहल पर वैश्विक दक्षिण के देश वैश्विक उत्तर के देशों वाले मंचों पर भी उपस्थिति बनाने लगे हैं। आसियान और ब्रिक्स समूहों में उनकी शिरकत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

तकनीक पर नकेल

कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा। कंप्यूटर तकनीक की दुरुपयोग के संदर्भ में डीपफेक का खेल आज यही चरितार्थ कर रहा है। यानी किसी का चेहरा किसी में लगाकर, किसी का वीडियो किसी में मिलाकर ऐसा नकली फोटो या वीडियो बना दिया जाता है, जिसको साधारणतया समझना मुश्किल होता है कि वह असली है या नकली। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी आज हमें अजब-गजब की दुनिया दिखा रही है। यह हमारी संभावनाओं के द्वार जरूर खोलती हैं, मगर जब तकनीक का गलत इस्तेमाल होने लगे, किसी की निजी हानि होने लगे तो यह वाकई चिंता का सबब है और समाज के लिए घातक। फिल्म अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के फेक वीडियो ने सारी तकनीकी करतूत की कलई खोलकर रख दी है। इस मुद्दे पर न केवल चर्चा करने बल्कि इसके दुरुपयोग पर अंकुश लगाने का वक्त आ गया है। सनद रहे कि डीप फेक का मतलब यहां घोर नकली होना है। इस तकनीक की हेराफेरी से किसी के चेहरे का फोटो या वीडियो आसानी से तोड़-मरोड़ा जा सकता है। किसी के आवाज की नकल की सकती है। जाहिर है, इससे समाज में खतरे की आशंका बढ़ जाती है। आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंटरनेट के माध्यमों पर ऐसी हेरा-फेरी खूब चल रही है। फेक वीडियो की बात करें तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक नकली वीडियो जारी हुआ था, जिसमें वह बेल्जियम से पेरिस जलवायु समझौते से अपना नाम वापस लेने की बात कर रहे थे। वैसे ही, एक वीडियो में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन रूस- यूक्रेन युद्ध की समाप्ति की घोषणा कर रहे थे। मार्क जुकरबर्ग एक वीडियो में यह कहते पाए गए कि उनके पास अर्बन लोगों के चुराए हुए डेटा पर पूरा कंट्रोल है। यह सब बिल्कुल नकली था और डीप फेक तकनीक के सहारे तैयार किया गया था। यूके की एक एनर्जी कंपनी के प्रमुख के साथ ऐसा हुआ। उसे उसके जर्मन सीईओ की आवाज में फोन आया और उसने पैसे भेज दिए । महिलाओं को जितना रोजमर्रा की जिंदगी में निशाना बनाया गया है, इस कारण उतना ही वह वर्चुअल वर्ल्ड में भी शिकार हुई हैं। रश्मिका मंदाना का वायरल वीडियो इसी तकनीक का परिणाम है। हालांकि पुलिस ने प्रभावित तरीके से इस अपराध के खिलाफ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। डीप फेक वीडियो को लेकर भारत समेत दुनिया भर में चर्चा हो रही है कि इस वजह से हमारी गोपनीयता और निजता प्रभावित हो रही है। भविष्य में इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जा सकता है, जिससे हमें सावधान रहना चाहिए। भारत में पूरे साल किसी न किसी राज्य में चुनाव होता रहता है। जरा सोचिए कि किसी बड़े नेता की आवाज का इस्तेमाल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, कट्टर सोच को बढ़ावा देने, दूसरी पार्टी के किसी बड़े नेताओं पर संगीन आरोप लगाने या गलत जानकारी देने में किया गया तो मामला कितना गंभीर हो सकता है। यदि कोई फेक न्यूज बनाकर समाज में अशांति पैदा करने और महिलाओं को बदनाम करने के हथियार के रूप में इसे इस्तेमाल कर रहा है तो कितना दुखद है। इसे हम ''डिजिटल आतंकवाद'' भी कह सकते हैं। इस पर हम सबको सतर्कता दिखाने की जरूरत है। यदि आपको सोशल मीडिया के किसी प्लेटफार्म पर कोई आपत्तिजनक चीज दिखे तो इस प्लेटफार्म को आप ईमेल के जरिए या पत्र लिखकर डिलीट करने का अनुरोध भेज सकते हैं। यदि 36 घंटे के भीतर उसे डिलीट नहीं किया तो आप उस पर कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं।

बीजेपी का वोट प्रतिशत बढ़ाने का बीड़ा उठाया स्थानीय महिलाओं ने

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर को भारी मतों से जिताने की अपील

जयपुर. शाबाश इंडिया

निवारू रोड, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय निवासी सोशल एक्टिविस्ट दीप कंवर के नेतृत्व में वार्ड नंबर 44 कॉलोनी की महिलाओं ने होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी के लिए वोट का प्रतिशत बढ़ाने के लिए गणेश नगर मेन कॉलोनी के कुछ हिस्सों में मतदाताओं से डोर टू डोर जनसंपर्क कर आने वाली 25 नवंबर को कमल का बटन दबाकर झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विकास एवं सुशासन का कमल खिलाने अपील की। दीप कंवर एवं कॉलोनी की महिलाओं ने घर-घर जाकर सभी महिला वोटरों का पुष्पमाला से स्वागत कर उन्हें कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क कार्यक्रम में नव मतदाताओं दिखा उत्साह। सभी ने गली- चौराहे पर झंडा लगाकर भारत माता की जय, वंदे मातरम एवं जय श्री राम के नारे लगाकर सभी मतदाताओं से वोट करने की अपील की। इस जनसंपर्क कार्यक्रम में कॉलोनी की स्थानीय महिलाएं सुशील शर्मा, ललिता कुमावत, ललिता कंवर, बीना, अनीता देवी ने इस जनसंपर्क कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाकर सभी महिला मतदाताओं का पुष्प मालाओं से स्वागत किया। दीप कंवर के अनुसार महिलाओं को आगे आकर राजनीति में हिस्सा लेना चाहिये। वह हमेशा से ही महिला सशक्तिकरण पर बल देती रही है। महिलाएं समाज में हमेशा से ही एक चेंजमेकर करके रूप में उभर कर आई है। दीप कंवर ने सभी महिलाओं का इस जनसंपर्क कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया।

कृतज्ञता दिवस का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन श्वेतांबर संघ जवाहर नगर में आज **'कृतज्ञता दिवस'** के रूप में मनाया गया । इस कार्यक्रम में यहां चातुर्मास के लिए विराजित साध्वी श्री विरक्ता श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा 5 का धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।आज के इस कार्यक्रम में जयपुर के विभिन्न संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे सभी ने अपना अपना वक्तव्य दिया एवं महाराज साहब को धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के अंत में संघ अध्यक्ष उम्मेद कुमार मुसल, मंत्री नितिन दूगड़ एवं उपाध्यक्ष विनोद सचेती ने अपना अपना वक्तव्य देकर महाराज साहब को धन्यवाद ज्ञापित किया एवम संघ को धन्यवाद दिया । विभिन्न संघों से पधारे पदाधिकारी ने शेष काल में महाराज साहब को अपने-अपने क्षेत्र में विराजने के लिए विनती साध्वी श्री ने भी पूरे संघ को सफल चातुर्मास के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के पश्चात साधर्मी वात्सल्य का आयोजन किया गया जिसका लाभ उम्मेद कुमार अशोक कुमार सुशील कुमार मुसल एवं समस्त मुसल परिवार ने लिया।

तप त्याग और गुणगान के साथ मनाया गया कर्नाटक गज केसरी का 144 वीं जन्म जयंती समारोह

भक्तों के भगवान थे युग पुरूष लब्धिधारी गजकेसरी गुरू गणेश : महासती धर्मप्रभ,साध्वी चैतन्याश्री

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। भक्तों के भगवान थे युग पुरूष लब्धिधारी गुरू गणेश। रविवार को कर्नाटक गजकेसरी घोर तपस्वी गणेशीलाल जी महाराज की 144वीं जन्म जयंती AMKM पुरषवाकक्म में महासती धर्मप्रभा के आतिथ्य और महासती चैतंन्या श्री के सानिध्य में गुणागान और तप त्याग के साथ मनाई गई। साहुकार पेट जैन भवन से पधारी महासती धर्मप्रभा ने गुरू गणेश के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया की वचन सिध्द योगी थे। उनका मांगलिक भी इतना चमत्कारी था कि भक्तों के सब अटके काम बन जाते थे। गुरूदेव ने कभी भी अपने प्राणों की परवाह न करतें हुए कई स्थानों पर धर्म के नाम पर निदोष पशुओं की बली प्रथा को बंद करवाया और हजारों बकरों को अभयदान दिरवाया था। गजकेसरी गुरूदेव मानवता के मसीहा करूणा के देवता जीवो के सच्चे रक्षक थे।महासती चैतन्याश्री ने कहा की गुरूदेव का जीवन खुली किताब की तरह था उन्होंने पंथ,संम्रदाय और मजहब के भेद भाव को कभी महत्व नहीं दिया। गरीब हो या अमीर छोटा हो या बड़ा गुरूदेव ने कभी किसी प्रकार का भेद भाव नहीं किया। गुरूदेव के जीवन की विशेषता यह थी कि वे किसी संघ व समाज से बंधकर नहीं रहें बल्कि छत्तीस कौम के पूज्यनीय आदरणीय थे। एक निडर निर्भीक,स्पष्टवक्ता त्यागी दिव्य आत्मा थे। इसदौरान साध्वी स्नेहप्रभा,साध्वी जिज्ञासा साध्वी सुबोधि तथा साध्वी निर्मितिप्रभा आदि ने कहा कि आज भी जो भक्त श्रंध्दा और भक्ति से गुरू गणेश का जो नाम लेता है तो उसके बिगड़े काम बन जाते हैं। ऐसे महान गुरूदेव का हम जितना गुणगान करे वह सबके लिए कम है।

मानव है संस्कृति का निर्माता : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ , गुन्सी (राज.) में भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आस - पास के सभी समाजों में धर्म का परचम फहरा रही है । माताजी के मुखारविंद से आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य अनोप देवी जैन जनकपुरी जयपुर , महेश जी मोटुका व शैलेंद्र जी जैन निवाई वालों ने प्राप्त किया। शांति प्रभु के पादमूल में शांति विधान करने का अवसर कौशल जयपुर वालों को मिला। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन में संस्कृति का महत्व समझाते हुए कहा कि - संस्कृति जीवन के निकट से जुड़ी है। यह कोई बाह्य वस्तु नहीं है और न ही कोई आभूषण है जिसे मनुष्य प्रयोग कर सकें।

यह केवल रंगों का स्पर्श मात्र भी नहीं है। यह वह गुण है जो हमें मनुष्य बनाता है। संस्कृति के बिना मनुष्य ही नहीं रहेंगे। संस्कृति परम्पराओं से, विश्वासों से, जीवन की शैली से, आध्यात्मिक पक्ष से, भौतिक पक्ष से निरन्तर जुड़ी है। यह हमें जीवन का अर्थ, जीवन जीने का तरीका सिखाती है। मानव ही संस्कृति का निमार्ता है और साथ ही संस्कृति मानव को मानव बनाती है। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को पूज्य माताजी ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के शुभारम्भ पर भूमि शुद्धि का कार्यक्रम रहेगा। आप सभी इस आयोजन के सहभागी बनें।

भारत में विज्ञान पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम

विजय गर्ग

1. विज्ञान पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम प्रिंट मीडिया: जैसे समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, वॉलपेपर, किताबें, पोस्टर, फोल्डर, पुस्तिकाएँ। ऑडियो/विजुअल मीडिया: मुख्य रूप से रेडियो और टीवी, इसके अलावा, फिल्में, स्लाइड शो, बायोस्कोप। लोक मीडिया: यह एक सामान्य अवलोकन रहा है कि लोक मीडिया के माध्यम से उन क्षेत्रों तक पहुंच हासिल करना संभव है जहां अन्य मीडिया की सीमाएं हैं। कठपुतली शो, नुक्कड़ नाटक, मंच प्रदर्शन, लोक गीत और लोक नृत्य, नौटंकी और संचार के अन्य पारंपरिक साधन इस श्रेणी में आते हैं। यह मीडिया लागत प्रभावी, मनोरंजक है और दोतरफा संचार प्रदान करता है। इंटरएक्टिव मीडिया: विज्ञान प्रदर्शनियाँ, विज्ञान मेले, सेमिनार, कार्यशालाएँ, व्याख्यान, वैज्ञानिक यात्राएँ, सम्मेलन, विज्ञान जत्थे आदि। यहाँ लाभ व्यक्ति-से-व्यक्ति और दो-तरफा संचार है। डिजिटल मीडिया: सूचना प्रौद्योगिकी ने तुलनात्मक रूप से एक नये मीडिया को जन्म दिया है, जिसे डिजिटल मीडिया के नाम से जाना जाता है। इसमें इंटरनेट, सीडी-रोम, मल्टीमीडिया, सिमुलेशन आदि शामिल हैं। इसने समाज के विकलांग वर्गों के लिए विज्ञान संचार को भी सरल बना दिया है। इसके अलावा, हम स्थानीय आबादी में प्रभावी ढंग से प्रवेश करने के लिए अपनी 18 क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से विज्ञान को लोकप्रिय बना रहे हैं। लक्षित दर्शकों का चयन सबसे अधिक महत्व रखता है। हमारे विज्ञान संचार प्रयास विभिन्न लक्षित समूहों, जैसे आम आदमी, बच्चे, छात्र, किसान, महिलाएँ, श्रमिक या विशेषज्ञ आदि के लिए हैं। विज्ञान संचार को अधिक रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए प्रस्तुतिकरण के विभिन्न रूपों का उपयोग किया जा रहा है, जैसे कि विज्ञान समाचार, रिपोर्ट, लेख, फीचर, कहानी, नाटक, कविता, साक्षात्कार, चर्चा, व्याख्यान, वृत्तचित्र, डॉक्यू-ड्रामा, साइंटून (विज्ञान+कार्टून), व्यंग्य, आदि। आज कुछ को छोड़कर लगभग हर भारतीय भाषा में लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाएँ हैं। रेडियो और टीवी पर विज्ञान कार्यक्रम आते हैं। ऑनलाइन लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाएँ, टेलीटेक्स्ट पर विज्ञान समाचार, रेडी-टू-प्रिंट विज्ञान पृष्ठ विज्ञान पत्रकारिता के क्षेत्र में कुछ नए विकास हैं। प्रसारण और डिजिटल मीडिया के उपयोग ने विज्ञान पत्रकारिता के नए द्वार खोले हैं। सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति ने दुनिया भर से वैज्ञानिक जानकारी हमारी उंगलियों पर सेकंडों में प्राप्त करना संभव बना दिया है। समाज के बड़े और सभी वर्गों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक ठोस, समन्वित और एकीकृत प्रयास शुरू हो गए हैं।

2. विज्ञान लेखन/रिपोर्टिंग में रुझान आज समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले विज्ञान लेख वर्षों पहले की तुलना में बहुत अधिक भिन्न नहीं हैं, यानी गद्यात्मक शैली, तकनीकी शब्दजाल और टालने योग्य आँकड़ों की अधिकता के साथ। जाहिर है, सजीवता, स्पष्टता और निरंतर प्रवाह के अभाव वाले जटिल और अरुचिकर लेखों से बड़े पाठक वर्ग को आकर्षित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कभी-कभी, विषय-वस्तु की दृष्टि से लेख प्रभावशाली होते हैं लेकिन प्रस्तुतिकरण में कमी होती है। विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति और संकीर्ण विशेषज्ञता के कारण आज लेखक और संपादक दोनों ही किसी विशेष वैज्ञानिक/तकनीकी विषय पर काम करते समय खुद को तनावग्रस्त पाते हैं। भारतीय भाषाओं के लेख अक्सर मूल अंग्रेजी लेखों के अनुवाद मात्र होते हैं। भारतीय भाषाओं में मौलिक विज्ञान लेखन को प्रोत्साहन देना आवश्यक है। फिर विज्ञान लेख कैसा होना चाहिए ? आज तकनीकी प्रगति के युग में, अधिकांश लोग ऐसे लेख पसंद करते हैं जो जानकारीपूर्ण, विश्लेषणात्मक, आलोचनात्मक और निरंतर प्रवाह वाले हों। किसी विशेष विषय पर लेख लिखने के लिए, एकउपलब्ध साहित्य को पढ़ने और समझने और संबंधित विशेषज्ञों के साथ विषय पर चर्चा करने और उनके सुझावों को शामिल करने की आवश्यकता है। आवश्यक आँकड़े, रेखाचित्र, फोटो आदि भी एकत्रित करने होंगे। यह ध्यान में रखना आवश्यक है कि विषय/मुद्दे का एक एकीकृत और संतुलित दृष्टिकोण आम जनता के लिए आसानी से समझ में आने वाली भाषा में उचित विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। एक लेख में आवश्यक रूप से रिपोर्टर की सतर्कता और खोजी प्रवृत्ति प्रतिबिंबित होनी चाहिए। निस्संदेह, आम आदमी भी ऐसे लेखों और रिपोर्टों की सराहना करता है। कहने की जरूरत नहीं है, शीर्षक और उप-शीर्षक दिलचस्प और ध्यान आकर्षित करने वाले होने चाहिए - किसी को भी शुष्क और अनाकर्षक शीर्षक पसंद नहीं आते। शर्मा के (1993) ने लोकप्रिय हिंदी विज्ञान पत्रिकाओं पर टिप्पणी की है - अधिकांश लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाएँ अनुवाद पर निर्भर हैं जो प्रस्तुति में बहुत अधिक विकृति पैदा करती है। उन्होंने विज्ञान लेखकों पर भी सही टिप्पणी की है- वे बाहर जाकर या कहानी से जुड़े वैज्ञानिकों से बातचीत किए बिना, या मौके पर ही घटनाओं को कवर किए बिना, केवल कमरे के अंदर बैठकर एक कहानी या रिपोर्ट तैयार करते हैं। न केवल प्रिंट में, बल्कि प्रसारण मीडिया में भी, भ्रामक वैज्ञानिक जानकारी, प्रस्तुति में रचनात्मकता का निरंतर क्षय, अनुवाद में विकृति, सामग्री को व्यवस्थित करने में असंगतता, भाषा के उपयोग में चूक और कई अन्य विचलन अक्सर देखे जा सकते हैं। सिंह (1993) का तर्क है - भारत में लोकप्रिय विज्ञान लेखन अभी भी आत्मसंतुष्टि और विदेशी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता से जकड़ा हुआ है, दुर्भाग्य से उनका उपयोग साहित्यिक चोरी के लिए किया जाता है। अक्सर, यह देखा गया है कि एक लेखक किसी अन्य लेखक के लोकप्रिय लेख को अपने लेखन के स्रोत के रूप में उपयोग करता है और बाद में कोई तीसरा लेखक प्राथमिक स्रोत से परामर्श किए बिना उसके लेख का उपयोग कर रहा है और घटिया लेखों की एक श्रृंखला बन जाती है। इस प्रकार मीडिया में ऐसे विकृत संचारों की एक श्रृंखला दिखाई देती है, मानो यह मौलिक विज्ञान लेखन हो। अनुवाद के मामले में, अन्य लेखक आम तौर पर तकनीकी शब्दों की गलत व्याख्या करते हैं, खासकर उनके बाद के संस्करणों में। तकनीकी शब्दों का उपयोग कभी-कभी कठिनाइयों को जन्म दे सकता है, और इसलिए यह सलाह दी जाती है कि उपयोग किए गए विभिन्न शब्दों का चयन करें और उन्हें स्पष्ट रूप से समझाएं। उदाहरण के लिए, एक हिंदी अखबार में प्रकाशित एक लेख में, 'सैटेलाइट डीएनए' को 'उपग्रह डीएनए' कहा गया था, जहां इसे 'वाहक डीएनए' पढ़ा जाना चाहिए था। इसलिए विज्ञान पत्रकारों को अनुचित तकनीकी शब्दों के प्रयोग पर उचित ध्यान देने की आवश्यकता होगी। क्षेत्रीय भाषाओं में सभी तकनीकी विषयों पर शब्दावली आज उपलब्ध हैं, हालाँकि, किसी विशेष शब्द के उपयोग के लिए लेखक या संपादक की ओर से उचित निर्णय और विवेक की आवश्यकता होगी। विज्ञान का प्रसार केवल समाचार पत्रों और पत्रिकाओं तक ही सीमित नहीं है। हमारे पास वैज्ञानिक विषयों पर कई प्रकाशन हैं जिनमें लोकप्रिय स्तर पर विज्ञान की किताबें, फीचर सेवाएं, विश्वकोश, संदर्भ पुस्तकें, मोनोग्राफ, तकनीकी रिपोर्ट, विशेष रिपोर्ट, स्मृति चिन्ह, वार्षिक रिपोर्ट और बहुत कुछ शामिल हैं। एक सामान्य सूत्र जिसे इन सभी विभिन्न प्रकारों के बीच चलाने की आवश्यकता है वह है प्रामाणिकता और सरलता और साथ ही, एक ऐसी प्रस्तुति जो स्वीकार्य और पठनीय हो। नव भारत टाइम्स, एक प्रमुख हिंदी दैनिक, ने वर्ष 1948 में एक विज्ञान स्तंभ शुरू किया था। आज, दुर्भाग्य से, अधिकांश दैनिक समाचार पत्रों, साप्ताहिकों और मासिकों में, हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अधिक कवरेज नहीं दिखता है। समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में विज्ञान स्तम्भ प्रारंभ करना वांछनीय और अनिवार्य है। एक फेहालाँकि, समाचार पत्र विज्ञान/प्रौद्योगिकी समाचारों को कवर करते हैं और नियमित विज्ञान कॉलम भी पेश करते हैं। लेकिन, हमारे जैसे देश में, जहां बहुत से लोग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बुनियादी सिद्धांतों से परिचित नहीं हैं, यह अपने आप में पर्याप्त नहीं है। विरले ही, कोई विज्ञान संपादक या विज्ञान रिपोर्टर किसी अखबार या पत्रिका से जुड़ा होता है। सभी समाचार पत्रों में विज्ञान संवाददाता रखना वांछनीय है। इससे, निश्चित रूप से, मीडिया में प्रस्तुति के विभिन्न तरीकों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर समसामयिक विषयों के संपादन और रिपोर्टिंग पर एक नीति विकसित करने में मदद मिलेगी। हमारे देश में विज्ञान रिपोर्टिंग के अविकसित रहने का एक कारण यह हो सकता है कि कुछ सूखे और नीरस लेखों, तकनीकी जानकारी/समाचारों को छोड़कर, विज्ञान लेखन के शायद ही किसी अन्य तरीके का इस्तेमाल किया गया हो। शायद इसीलिए आम आदमी विज्ञान और प्रौद्योगिकी से परिचित नहीं हो सका। यदि विज्ञान को कहानियों, कविताओं आदि के रूप में प्रस्तुत किया जाता, तो आम आदमी न केवल विज्ञान को पढ़ पाता, बल्कि समझता और सराहता भी। कविता संचार का एक सशक्त माध्यम है, जिसका उपयोग बच्चों एवं नवसाक्षरों तक विज्ञान का संचार करने में किया जा सकता है। विज्ञान को कविता के रूप में समझाना उतना कठिन नहीं है जितना लगता है। विज्ञान नाटकों और प्रहसनों का भी कम उपयोग हो रहा है। प्रिंट माध्यम में विज्ञान नाटक और प्रहसन कभी-कभार ही देखने को मिलते हैं। भावी विज्ञान लेखकों को इन अपरंपरागत तरीकों के माध्यम से विज्ञान का संचार करने का प्रयास करने की आवश्यकता है। विज्ञान रिपोर्टिंग में हास्य और व्यंग्य ऐसे अन्य क्षेत्र हैं जिनका अभी भी इलाज नहीं किया गया है। वास्तव में, विज्ञान संचार में इन विधाओं का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है ! समाचार पत्र/पत्रिकाएँ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर बहसें प्रकाशित करते हैं, लेकिन शायद ही किसी विज्ञान रिपोर्टर या संपादक ने किसी वैज्ञानिक मुद्दे पर बहस प्रकाशित करने में रुचि दिखाई हो। आज, वैज्ञानिकों के साथ साक्षात्कार और उन पर आधारित लेखों के आधार पर मौजूदा मुद्दों पर बहस प्रकाशित करने की कई संभावनाएं मौजूद हैं। जाहिर है, अगर वैज्ञानिक विषयों को इतने रोमांचक तरीके से प्रस्तुत किया जाए तो पाठक उनमें गहरी रुचि दिखाते हैं। विज्ञान रिपोर्टिंग में विभिन्न विधाओं के उपयोग से न केवल विज्ञान के प्रति रुचि पैदा होगी बल्कि उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित होगा। 4. वैज्ञानिक महत्व के स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग अक्सर, स्थानीय वैज्ञानिक/तकनीकी मुद्दों को राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर जनसंचार माध्यमों में जगह नहीं मिलती है। गौरतलब है कि स्थानीय/क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान पत्रकारिता के माध्यम से स्थानीय मुद्दों/समस्याओं/प्रौद्योगिकियों को संबोधित करने में काफी सफलता मिली है, जिससे देश के एक हिस्से में प्रचलित पारंपरिक प्रौद्योगिकियों/प्रक्रियाओं को दूसरे हिस्सों में अपनाने/स्थानांतरित करने में भी मदद मिल सकती है। कुछ उदाहरण उल्लेखनीय हैं. रामपुर, यूपी में विज्ञान लेखन/पत्रकारिता पर एक कार्यशाला में, प्रतिभागियों के एक समूह को अपनी कहानी की तैयारी के दौरान मौके पर रिपोर्टिंग के अभ्यास के दौरान पता चला कि काशीपुर और आसपास के उद्योगों से अनुपचारित अपशिष्ट कोसी नदी में छोड़ा जा रहा था। नदी का प्रदूषित पानी पीने से जानवरों की मौत हो गई। पेड़-पौधे भी नहीं बचे।

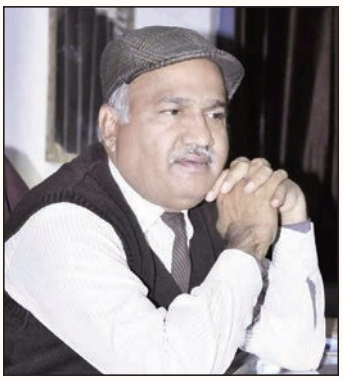

-निरंतर

गोपाष्टमी पर पिंजरापोल गोशाला में विशाल गौ मेले का आयोजन

गौ माता की परिक्रमा कर सुनाएंगे भजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रति वर्ष की भाँति कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर 20 नवम्बर सोमवार को सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला जयपुर में पिंजरापोल गौशाला प्रबंधन समिति द्वारा गोपाष्टमी गौ मेला आयोजित किया जायेगा। गोपाष्टमी महोत्सव समिति के संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने पिंजरापोल गौशाला पर आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये बताया कि गौ पूजन के साथ भक्ति संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान गौ सेवा और गौ संवर्धन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी, सामाजिक संस्थाये, गौ सेवी समितियों सहित प्रमुख उधोगपति व राजनीतिक दलों की भागीदारी रहेगी। मेला संयोजक राजू अग्रवाल मंगोडीवाला ने बताया कि पिंजरापोल गोशाला में गोपाष्टमी को गौ मेले के उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। सुबह गोशाला में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसमें भक्त संकीर्तन करते हुए गोशाला के बाड़ों में परिक्रमा लगाएंगे। इस दौरान गो माता को भजन–संकीर्तन सुनाए जाएंगे तथा श्रीगोविंददेवजी मंदिर के महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी व मानस गोस्वामी द्वारा श्री गोविंददेवजी मंदिर में सुबह 11.15 बजे गौमाता के पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसमें गौशाला से गौ माता को ले जाया जाएगा। पिंजरापोल गौशाला के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल ने बताया कि पिंजरापोल गोशाला में दिनभर गो पूजन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ेगी। पूरे शहर के साथ आसपास के कस्बों से ही लोग गौ पूजन के लिए गोशाला पहुंचेंगे। लोग गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाएंगे। गौ मेले शुद्ध दुध और आर्गनिक ज्यूस, शिकंजी आदि का वितरण किया जाएगा। गोशाला में भजन संध्या का आयोजन होगा। इस दौरान गो माता को भजन–संकीर्तन सुनाए जाएंगे। आयोजित कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी गौशाला प्रबंधन टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक राजू मंगोड़ीवाला, अध्यक्ष नारायण अग्रवाल, महामंत्री शिवरतन चितलांग्या, पूर्व अध्यक्ष रामदास सौंखिया, शंकर सोनी, अतुल गुप्ता, राधेश्याम विजयवर्गीय, शशांक जैन, अनिल कौशिक व चन्द्र मोहन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री चक्रेश -पिंकी जी जैन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के उपाध्यक्ष

की वैवाहिक वर्षगांठ

(20 नवंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,

संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com

भव्य समारोह में आचार्य श्री ने नवीन पिच्छिका ग्रहण की

पिच्छिका की शोभायात्रा निकालकर मंचपर लाये। संयम का उपकरण पिच्छिका जीवों की रक्षा के काम आती है...

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य परम पूज्य आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ससंघ के सान्निध्य में संयम के उपकरण पिच्छिका का परिवर्तन आज भव्य समारोह में सुभाष गंज मे किया गया जहां भक्तो ने संयम के व्रत ग्रहण कर मुनि संघ को नवीन पिच्छिका भेंट की और आचार्य श्री की पुरानी पिच्छिका नीलू मामा को लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

नये अंदाज में पिच्छिका परिवर्तन को करने की कोशिश कर रहे हैं: विजय धुर्रा

समारोह के प्रारंभ में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज संयम के उपकरण पिच्छिका परिवर्तन चातुर्मास की समापन वैला में होने जा रहा है जैन युवा वर्ग पिच्छिका परिवर्तन को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत करता है आज यहां महिला मंडल के मध्यम से की जा रही है जैन युवा वर्ग की वालिकाओ ने नृत्य की प्रस्तुति के साथ मंगलाचरण किया इसके बाद मंगलगान इसिता दीदी ने किया समारोह को संगीतमय साजकर आगे बढ़ते हुए युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि हम सब 1998 से पिच्छिका परिवर्तन समारोह कर रहे हैं देशभर में अशोक नगर युवा वर्ग के कार्यकर्ता नगर नगर में पहुंचकर अलग अलग अंदाज में प्रस्तुतियां देते हैं आज हमने महिला मंडलों को जिम्मेदारी सौंपी है। समारोह के प्रारंभ में आचार्य श्री के चित्र का अनावरण जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई सहित अन्य भक्तों ने किया वहीं दीप प्रज्जवन थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघाई मंत्री विनोद मोदी प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने किया आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद अक्षय विवेक अमरोद परिवार द्वारा किया।

अष्ट प्रतीहार्य की प्रस्तुत के साथ आई पिच्छिका

आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज जी पिच्छिका बहु बेटी संगठन के द्वारा भव्य प्रस्तुति के साथ शैलेन्द्र श्रागर के मधुर गीतों के साथ लाई गई जिन्होंने देने का सौभाग्य सीमा सुनील केन्टीन उषा रमेश चंद्र सुशील गंगवाल पांडिचेरी व ब्रह्माचारी ब्रह्माचारणी बहनो को मिला परम पूज्य भाग्य सागरजी महाराज की पिच्छिका महा समिति द्वारा भगवान के पंच कल्याणक की झलकियां के साथ लाई गई इसका विमोचन कर रिंकू अरुणा भारत विनोद कुमार प्रकाश चन्द्र शाशि दीदी भेंट किए पुरानी पिच्छिका श्रीमति श्वेता मनोज जैन लल्ला भइया को मिला। मुनि श्री महत सागर जी महाराज की पिच्छिका सुधा सागर महिला मंडल द्वारा लाई गई जिसका विमोचन विमर्श जाग्रति जैन युवा वर्ग महिला मंडल त्रिसला महिला मंडल की वहनो ने किया महेश घमंडी प्रकाश चन्द्र नरेश कदवाय रमेश चंद्र आदि को मिला वहीं पुरानी पिच्छिका श्री मति शिखा दिलीप कुमार वेलई को मिला वहीं मुनि श्री सजंग सागर जी महाराज की पिच्छिका का विमोचन श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला की वहनो दारा किया भेंट करने का सौभाग्य चंदन जैन छोटे लाल आनंद जैन सुधा जैन श्री मति अनीता कैलाश जैन को मिला वहीं पुरानी पिच्छिका सुनील जैन घट वमुरिया को मिला।

वहीं मुनि श्री सानंद सागर जी महाराज की पिच्छिका महिला जैन मिलन दारा भव्य प्रस्तुति के साथ लाई गई जिसे राकेश जैन मुन्ना लाल कैलश चन्द्र श्री मति साधना अरविंद कुमार टींगू मिल को देने का सौभाग्य प्राप्त किया।

जैन सौशल ग्रुप महानगर की वियतनाम यात्रा 21 से 28 नवंबर 2023

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप महानगर का 64 सदस्य दल विदेश भ्रमण पर वियतनाम दिनांक 21 से 28 नवम्बर के बीच जा रहा है। इस विदेश यात्रा का मुख्य उद्देश्य जैन समाज का सिद्धांत जियो एवं जीने दो का प्रचार प्रसार करना है। इससे पूर्व महानगर ग्रुप की तीन सफल विदेश यात्रा (बैंकाक पटाया, सिंगापुर मलेशिया एवं दुबई) हो चुकी हैं। इस विदेश भ्रमण की रुपरेखा एवं तैयारी को अन्तिम रूप देने के लिए वियतनाम जा रहे सदस्यों के लिए आइरन रेस्टोरेंट, मानसरोवर में मिटिंग रखी गई जिसमें सभी सदस्यों के अलावा महानगर ग्रुप के सभी पूर्व अध्यक्ष, अध्यक्ष संजय छाबड़ा सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस विदेश भ्रमण के लिए विरेंद्र जैन एवं दिपेश छाबड़ा को सयोजक बनाया गया है। यह यात्रा जैन मंदिर, महावीर नगर से प्रातः 11.00 बजे रवाना होगी। इस विदेश यात्रा में प्रदीप जैन संस्थापक अध्यक्ष, रवि प्रकाश जैन, विरेंद्र जैन एवं दिपेश छाबड़ा पूर्व अध्यक्ष अन्य सदस्यों के साथ शामिल हो रहे हैं।

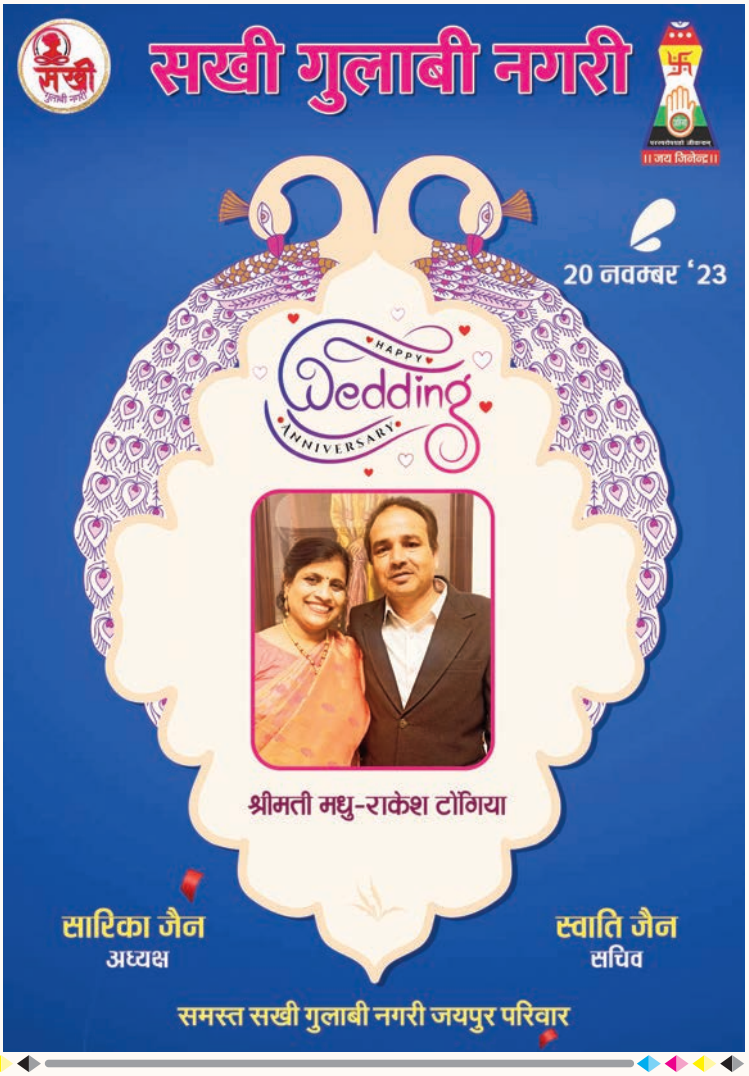

डॉ अर्चना शर्मा ने मालवीय नगर विधानसभा में जनसंपर्क किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। डॉ अर्चना शर्मा ने मालवीय नगर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आज जनसंपर्क किया जिनमें प्रमुख डी ब्लॉक मालवीय नगर जय जवान कॉलोनी अपेक्स सर्किल सुभाष पार्क जेपी कॉलोनी चौराहा खवास जी का बाग वार्ड 145 बिहार समाज के लोगों के साथ में छठ पूजा के कार्यक्रम में भाग लिया अपेक्स सर्किल पर आयोजित इस कार्यक्रम में अर्चना शर्मा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों द्वारा लगातार मिल रहे समर्थन के लिए आपकी आभारी हूं मैं बिना किसी भेदभाव के पूरे क्षेत्र में विकास कार्य करूंगी। सरकार की गारंटी योजनाओं को लागू करवाने में आपके साथ रहूंगी सरकार ने सभी योजनाएं धरातल पर लाइए आमजन को उनका लाभ पहुंचा। जिसमें चिरंजीवी योजना 500 रुपए में सिलेंडर लंबी में गौ माता की मृत्यु पर 40000 रुपए बिजली का बिल 100 यूनिट माफ सहित लाभकारी योजनाओं ने जनता को राहत पहुंचाइये और आगे भी दी जाने वाली साथ गारंटी योजनाएं लागू होंगी आप कांग्रेस सरकार का समर्थन करें और मुझे अधिक से अधिक वोटो से जित कर आशीर्वाद प्रदान करें।